

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 27, भाग 2

2 राजा 18-19, भाग 2

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

तो, हिजकिय्याह की प्रार्थना, पद 14 पर गौर करें। यह बाइबल की सबसे बड़ी प्रार्थनाओं में से एक है। हिजकिय्याह ने दूतों से पत्र प्राप्त किया और उसे पढ़ा।

अब इस महान उल्लास की कल्पना करें। वे पीछे हट गए हैं, और वे चले गए हैं। और अब, ओह, ओह, वे चले नहीं गए हैं।

वे वापस आने वाले हैं। अब, देखो वह क्या करता है। मुझे यह बहुत पसंद है।

वह कहाँ गया? मंदिर गया। और उसने इसे प्रभु के सामने फैला दिया। मुझे यह पसंद है।

मैं कल्पना करता हूँ कि वह कह रहा होगा, हे प्रभु, क्या आपने इसे पढ़ा है? प्रभु कहते हैं, हाँ, मैंने पढ़ा है, वास्तव में। अब, ध्यान दें कि इस प्रार्थना में प्रत्येक शब्द महत्वपूर्ण है। यहोवा, यहोवा कौन है? पाठ में क्या लिखा है? इस्राएल का परमेश्वर।

आप ही वो ईश्वर हैं जिसने खुद को हमें दे दिया है। आप ही वो ईश्वर हैं जिसने हमें बनाया है। आप ही वो ईश्वर हैं जिसने हमें अस्तित्व में लाया है।

तुम्हारा हमसे कुछ लेना-देना है। आगे क्या होगा? यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर। आगे क्या होगा? कहाँ सिंहासनारूढ़ होगा? करूबों के बीच।

वह क्या है? वाचा का सन्दूक, मूसा का नियम। परमेश्वर कहता है कि मैं उस बक्से के ऊपर उस स्थान पर तुमसे मिलूँगा। अब हम नहीं जानते कि करूब कैसे दिखते हैं।

एक अच्छा अनुमान यह है कि वे शायद स्फिंक्स जैसे दिखते हैं, जिसमें आगे का हिस्सा शेर का, पीछे का हिस्सा बैल का, पंख बाज के और चेहरा इंसान का है। यह एक अनुमान है।

कोई नहीं जानता, लेकिन वे यहाँ हैं। तो, यह यहोवा है, वह परमेश्वर जो इस्राएल का है, वह परमेश्वर जिसने इस्राएल को बनाया, जो राजा है, लेकिन वह राजा जिसे विशेष रूप से वाचा के संदर्भ में देखा जाता है, वाचा का परमेश्वर। आपने हमसे शपथ ली कि यदि हम आपके लोग होंगे, तो आप हमारे परमेश्वर होंगे।

लेकिन क्या वह सिर्फ इस्राएल का परमेश्वर है? नहीं, आप अकेले ही इस्राएल के सभी राज्यों के परमेश्वर हैं। आप अकेले ही पृथ्वी के सभी राज्यों के परमेश्वर हैं। हाँ, आप महान उच्च परमेश्वर हैं जिनके बिना कोई बराबर नहीं है, जिनके अलावा कोई बराबर नहीं है।

और आप वो ईश्वर हैं जिसने खुद को हमारे लिए दे दिया। आपके लिए इस तरह का ईश्वर होना बहुत अच्छी बात है। और वह पृथ्वी के सभी राज्यों पर अकेला क्यों है? उसने इसे बनाया है।

वह सृष्टिकर्ता है। किसी ने हिजकिय्याह को बहुत बढ़िया धर्मशास्त्र सिखाया। यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि तुम दूसरे देवताओं से बड़े हो, सिर्फ इसलिए नहीं कि तुम दूसरे देवताओं से बेहतर हो।

तू ही एकमात्र परमेश्वर है, क्योंकि तू ही एकमात्र है जिसने सारा तमाशा बनाया है। 16, हे यहोवा, कान लगा और सुन। हे यहोवा, अपनी आंखें खोल और देख।

वह क्या कह रहा है? क्या भगवान की आंखें हैं? मूर्तियों की आंखें हैं। क्या भगवान के कान हैं? मूर्तियों की आंखें हैं। वह क्या कह रहा है? वह कह रहा है कि आप सुन सकते हैं, और वे नहीं सुन सकते।

आप देख सकते हैं और वे नहीं देख सकते। क्योंकि देखिए वाक्य के अंत में वह उसे क्या कहता है। वह कौन है? जीवित परमेश्वर।

यह बहुत ही रोचक है। पुराने नियम में यह शब्द केवल आधा दर्जन से एक दर्जन बार ही आता है। यह बिलकुल भी आम नहीं है।

लेकिन जिन जगहों पर यह होता है वे बहुत महत्वपूर्ण हैं। मूर्तियाँ मृत देवता हैं। मूर्तियाँ निर्जीव देवता हैं।

लेकिन हम ऐसे परमेश्वर की सेवा करते हैं जिसके पास कान नहीं हैं, लेकिन वह सुनकर खुश होता है। जिसके पास आँखें नहीं हैं, लेकिन वह सब कुछ देखता है। हे प्रभु, कान लगा और सुन।

हे प्रभु, अपनी आँखें खोलो और देखो। सुनो, सन्हेरीब ने क्या करने के लिए जो शब्द भेजे हैं, वे क्या हैं? अपमान, मज़ाक, उपहास, निन्दा। यह एक अच्छा हिब्रू शब्द है जिसके लगभग आठ अर्थ हैं।

खैर, अब, क्या सन्हेरीब का यही मतलब था? नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उसका मतलब सिर्फ़ इन लोगों को अपने परमेश्वर पर भरोसा न करने और आत्मसमर्पण करने के लिए उकसाना था। और हिजकिय्याह कहता है, लेकिन वह वास्तव में आप पर हमला कर रहा था।

आज जब लोग चर्च पर हमला करते हैं, तो वे यहोवा पर हमला कर रहे होते हैं। और यह वाकई खतरनाक है। यह वाकई खतरनाक है।

श्लोक 17. यह सच है, प्रभु। वह झूठ नहीं बोल रहा है।

असीरियन राजाओं ने इन राष्ट्रों और उनकी भूमि को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने उनके देवताओं को आग में फेंक दिया और उन्हें नष्ट कर दिया। और यह है, आपको बस इसे प्यार करना है।

उन्होंने ऐसा क्यों किया? क्योंकि वे भगवान नहीं हैं। वह गलत है। उसने सोचा कि उसने देवताओं को आग में फेंक दिया है।

नहीं, उसने ऐसा नहीं किया। उसने तो बस लकड़ी और पत्थर के टुकड़े आग में फेंके। ये चीज़ें भगवान नहीं हैं।

मैं कभी भी इससे उबर नहीं पाया। मैं भारत में एक सड़क पर चल रहा था। कुछ और सोच रहा था और एक गैरेज के बगल में एक यार्ड में नज़र पड़ी और दोबारा देखा।

वह आदमी भगवान बना रहा था। उसके पास सभी चरण थे। वह हाथी भगवान बना रहा था।

उसके पास कुछ ऐसे भी थे जो अभी भी गीले प्लास्टर थे। कुछ आंशिक रूप से रंगे हुए थे, और कुछ पूरी तरह से रंगे हुए थे। और यह बस, मुझे पता है कि मैं अपना मुंह खोले हुए वहां खड़ा था।

दुनिया में क्या हुआ कि आपने सिर्फ गीला प्लास्टर लिया और भगवान बना दिया, क्योंकि वे भगवान नहीं थे, बल्कि सिर्फ लकड़ी और पत्थर थे जो इंसानों के हाथों से बनाए गए थे। बाइबल में भी यही विरोधाभास है।

क्या तुम बनाने वाले की पूजा करने जा रहे हो? या तुम जो बना रहे हो उसकी पूजा करने जा रहे हो? यहाँ निर्माता कौन है, वह या तुम? क्या तुम दुनिया को चला सकते हो? यह भगवान का अय्यूब से सवाल था। अय्यूब बहुत होशियार था। उसने कहा, नहीं, नहीं, मैं दुनिया को नहीं चला सकता।

मैं अब कोशिश नहीं करना चाहता। यह आ गया। अब, हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, मैं तुम्हें यहाँ जीवित ओसवाल्ट संस्करण देने जा रहा हूँ।

अब हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें उसके हाथ से बचाओ क्योंकि हम तुम्हारे इतने वफ़ादार सेवक हैं। और तुम्हें हमारी ज़रूरत है। क्या तुम्हारा पाठ यही कहता है? नहीं, नहीं।

यदि परमेश्वर ने उससे पहले प्रेम नहीं किया, तो अब उसने उससे प्रेम किया है। अब हे यहोवा, हमारे परमेश्वर, हमें उसके हाथ से बचा। ताकि पृथ्वी के सभी राज्य जान लें कि केवल तू ही हमारा परमेश्वर यहोवा है।

हे प्रभु, मुझे ऐसी कृपा प्रदान करें कि मैं मुसीबत में होने पर भी इसी तरह प्रार्थना कर सकूँ। जब हालात बुरे हो रहे हों, हे प्रभु, मैं आपका कितना अच्छा सेवक हूँ।

अब, हिजकिय्याह थोड़ी देर बाद इस बात को स्वीकार करेगा। लेकिन यहाँ, जब पूरा राज्य संकट में है, तो वह सही है। प्रभु, क्या आप यहाँ चमत्कार करने के लिए पर्याप्त दयालु होंगे? इसलिए नहीं कि हम इसके लायक हैं।

इसलिए नहीं कि हमने इसे अर्जित किया है। इसलिए नहीं कि हमारे अंदर ऐसा कुछ है जिसकी हम मांग कर सकें कि आप करें। बल्कि इसलिए कि दुनिया जान सके, ओह, ओह, क्या भगवान हमारे जीवन में ऐसा कर सकते हैं? हे भगवान, मेरे जीवन में अपना काम इस तरह से करो कि यह स्पष्ट हो जाए कि तुम भगवान हो।

मुझे कहना होगा कि मैं अक्सर बहुत सावधान और बहुत होशियार होता हूँ और ऐसी मुश्किल परिस्थिति में नहीं पड़ना चाहता। जहाँ भगवान को कुछ करना पड़ता है, नहीं तो मैं मुँह के बल गिर जाता हूँ। और कभी-कभी, जब भगवान मुझे ऐसी परिस्थिति में डाल देते हैं, तो मैं उनसे नाराज़ हो जाता हूँ।

हे प्रभु, यह तुम्हारा अवसर है, इसे ग्रहण करो। इसे ग्रहण करो।